- (ग) इस पर कूल कितना खर्च ग्रायेसा:
- (घ) क्या सरकार इन राज्यों में नये इलैक्ट्रानिक टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित करने का विचार रखती है; ग्रौर
- (ङ) यंदि हां, तो स्थानों के नाम सहित उनका ब्यौरा क्या है, श्रौर
- (च) देश में इलैक्ट्रानिक एक्सचेंजों की स्थापना सम्बन्धी वर्तमान स्थिति क्या है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री **सुख राम)** : (क) उत्तर प्रदेश में बिजनीर जिले में एक एक्सचेंज और मध्य प्रदेश में चार एक्सचेंज (ग्रर्थात् जिला मन्दसौर में 'एक'', मुरैना में "दो" ग्रीर शहडोल में "एक") मानव-चालित हैं।

- (ख) 31 मार्च, 1993 तक।
- (ग) अनुमानतः 9,27 करोड़ रुपए।
- (घ) जीहां।
- (ङ) पंजीकृत मांग के भ्रनुसार प्रत्येक वर्ष बजट भावंटन का निर्णय होने के बाद ही नामों की मुची को श्रंतिम रूप दिया जाता है।
- (च) 1992-93 के दौरान 16.44 लाख लाइनें जोड़ने की योजना बनाई गई है जिनमें से 15,64 लाख लाइनें इलैक्ट्रानिक हैं। 7.85 लाख लाइनें च्याल की जाचुकी हैं।

मध्य प्रदेश में माण्ड थर्मल पावर स्टेशन की लागत का बढ़ना

*293. श्री विलीप सिंह जुवेव : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कुपा

(क) क्या मध्य प्रदेश के रायग[©] के जिले में माण्ड धर्मल पावर स्टेशन

निर्माण संबंधी प्रस्ताव स्वीकृति हेत् सरकार के पास लम्बित हैं;

to Questions

- (ख) यदि हां, तो यह कब से लस्तित है भ्रीर उसके क्या कारण हैं;
- (ग) योजना की वर्तमान लागत तथा पूर्व-प्रस्ताबित लागत में कितना भन्तर भा गया है; भौर
- (घ) इस पावर स्टेशन का प्रस्तावित अनुमानित विद्युत उत्पादन कितना है **गौ**र उससे लाभान्वित होने वाले राज्यों का ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्री (औ एन० के० पी० सास्वे): (क) और (ख) जी, नहीं। 370.99 करोड़ रु० की ग्रनुमाित लागत दाले मण्ड ताप विद्युत केन्द्र (2 🛮 210 मेगावाट) को ग्रधिष्ठापित किए जाने के बारे में मध्य प्रदेश विजली बोर्ड (एम.पी.ई.बी.) ने 1983 में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.) को परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। मध्य प्रदेश विजली बोर्ड (एम.पी.ई. बी.), इस परियोजना के लिये अपेक्षित लिकेज एवं स्वीकृतियां सुनिश्चित नहीं कर पाया था और परियोजना में पर्याप्त वन भूमि निहित होने के कारण 1990 में एम.पी.ई.बी. के ग्रनुरोध पर केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा परियोजना पर ग्रागे कार्यवाही नहीं की गई ग्रौर प्रस्ताव को एम.पी.ई.बी. को लौटा दिया गया था।

(ग) और (घ) प्रक्त नहीं उठता। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (नैशनस यर्मल पावर कारपोरेशन) द्वारा मशीनरी का आयात

* 294, श्री बीरेन श्रे॰ शाह : डा० जिमेन्द्र कुमार जैन :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की क्रपाकरेंगे किं:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय